पुस्तकों के नाम	अप्रैल	मई एवं जून	जुलाई	अगस्त
	सामाजिक विज्ञान - 80 (इतिहास 20, भूगोल 20,			
(1) इतिहास इतिहास की दुनिया भाग - 2 BTC	इकाई 1 : यूरोप में राष्ट्रवाद — नेपोलियन, मेटरनिख, जुलाई 1830 की क्रांति, 1830 की क्रांति का प्रभाव, सन् 1848 ई. की क्रांति, इटली का एकीकरण, मेजिनी, एकीकरण का द्वितीय चरण, काउंट कावूर, गैरीबाल्डी, जर्मनी का एकीकरण, बिस्मार्क, यूनान में राष्ट्रीयता का उदय, हंगरी, पोलैंड, बोहेमिया, परिणाम ।	इकाई 2 : समाजवाद एवं साम्यवाद — विषय प्रवेश, यूटोपियन समाजवादी, कार्ल मार्क्स (1818–1883), ऐतिहासिक भौतिकवाद, मार्क्स तथा प्रथम अंतरराष्ट्रीय संघ, द्वितीय अंतरराष्ट्रीय संघ, 1917 की बोल्शेविक क्रांति, क्रांति के कारण, मार्च की क्रांति एवं निरंकुश राजतंत्र का अंत, बोल्शेविक क्रांति (नवम्बर 1917), नई आर्थिक नीति, रूसी क्रांति का प्रभाव ।	इकाई 3 : हिन्द-चीन में राष्ट्रवादी आंदोलन — विषय प्रवेश, व्यापारिक कंपनियों का आगमन और फ्रांसीसी प्रभुत्व, हिन्द-चीन में राष्ट्रीयता का विकास, द्वितीय विश्व युद्ध और वियतनामी स्वतंत्रता, हिन्द-चीन के प्रति फ्रांसीसी नीति, अमेरिकी हस्तक्षेप, लाओस में गृह-युद्ध, कंबोडियायी संकट, वियतनामी गृह-युद्ध और अमेरिका, अमेरिकी असफलता और वियतनाम एकीकरण ।	इकाई 4 : भारत में राष्ट्रवाद — विषय प्रवेश, राष्ट्रवाद के उदय के कारण, प्रथम विश्वयुद्ध के कारण और परिणाम का भारत से अंतर्सम्बन्ध, रॉलेट एक्ट के विरोध में सत्याग्रह, जालियाँवाला बाग हत्याकांड, खिलाफत आन्दोलन, असहयोग आन्दोलन (1920-22), आंदोलन का आरंभ, सविनय अवज्ञा आंदोलन, दांडी यात्रा (12 मार्च से 6 अप्रैल 1930 ई.), नमक सत्याग्रह का प्रसार, बिहार में आंदोलन का प्रसार, गांधी-इरविन पैक्ट, सविनय अवज्ञा आंदोलन के परिणाम, किसान आन्दोलन, चम्पारण आन्दोलन (1917), खेड़ा आन्दोलन, मोपला विद्रोह (1917), बारदोली सत्याग्रह, किसान सभा का गठन, मजदूर आन्दोलन, जनजातीय आन्दोलन, भारतीय राजनीतिक दल, स्वराज पार्टी, सष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.)

सितम्बर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	अभ्युक्ति
राजनीति विज्ञान 18, अर्थशास्त्र 16, आपदा प्रबंधन 6)				
इकाई 5 : अर्थ-व्यवस्था और आजीविका — विषय प्रवेश, औद्योगीकरण के कारण, उपनिवेशवाद, भारत में फैक्ट्रियों की स्थापना, औद्योगीकरण का परिणाम, मजदूरों की आजीविका, कुटीर उद्योग का महत्त्व एवं उसकी उपयोगिता । इकाई 6 : शहरीकरण एवं शहरी जीवन — विषय प्रवेश, कस्बा, गंज, इंग्लैंड, महानगर, टेनेमेंट्स, सामाजिक बदलाव और शहरी जीवन, लैसेज फेयर, मध्यम वर्ग, श्रमिक वर्ग, औपनिवेशिक भारतीय शहर-बम्बई, सिंगापुर शहर का विकास, पाटलिपुत्र (पटना) ।	इकाई 7 : व्यापार और भूमंडलीकरण — 19वीं तथा प्रारंभिक 20वीं शताब्दी में विश्वबाजार का विस्तार और एकीकरण : भूमिका, विश्वबाजार का स्वरूप और विस्तार, विश्व बाजार की उपयोगिता, विश्व बाजार के लाभ और हानि, विश्व बाजार के हानि, दो महायुद्धों के दरम्यान व्यापार और अर्थव्यवस्था, आर्थिक मंदी के कारण, आर्थिक मंदी का प्रभाव, विश्व बाजार के आलोक में बदलते अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, 1950 के दशक के बाद परिवर्तन, 1945 से 1960 के दशक के बीच अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सम्बन्ध, भूमंडलीकरण, आज के जीविकोपार्जन और भूमंडलीकरण का अन्तर्साम्य अध्ययन क्षेत्र, आज जीविकोपार्जन और भूमंडलीकरण का अन्तर्साम्य संबंध ।	इकाई 8 : प्रेस-संस्कृति एवं राष्ट्रवाद — विषय प्रवेश, मुद्रण का इतिहास गुटेनबर्ग तक, यूरोप में आरंभ – गुटेनबर्ग की भूमिका, गुटेनबर्ग और प्रिंटिंग प्रेस, मुद्रण क्रांति का बहुआयामी प्रभाव, तकनीकी विकास, भारत में प्रेस का विकास, समाचार पत्रों की स्थापना, प्रेस की विशेषताएँ – समयानुसार बदलते परिप्रेक्ष्य में, भारतीयों द्वारा प्रकाशित एवं संपादित पत्र, प्रेस का राष्ट्रीय आन्दोलन में भूमिका तथा प्रभाव, प्रेस के विरुद्ध प्रतिबंध, स्वातंत्र्योत्तर भारत में प्रेस की भूमिका ।	पुनरावृत्ति	(i) 10 निरक्षर वयस्कों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करना : 10 अंक (ii) प्रोजेक्ट कार्य : 10 अंक कुल 20 अंक

पुस्तकों के नाम	अप्रैल	मई एवं जून	जुलाई	अगस्त
(2) भूगोल भारत : संसाधन एवं उपयोग खण्ड (क) BTC	**इकाई 1 :** **भारत : संसाधन एवं उपयोग —** संसाधन का महत्त्व, संसाधनों का वर्गीकरण, संसाधनों के प्रकार, संसाधन नियोजन, भारत में संसाधन-नियोजन, संसाधनों का संरक्षण, सतत् विकास की अवधारणा। प्राकृतिक संसाधन – **(क) भूमि संसाधन :** मृदा निर्माण, मृदा के प्रकार एवं वितरण, भूमि उपयोग का बदलता स्वरूप, भारत में भू-उपयोग का स्वरूप, भू-क्षरण और भू-संरक्षण।	**(ख) जल संसाधन :** जल के स्रोत, जल संसाधन का वितरण, जल संसाधन का उपयोग, बहुउद्देशीय परियोजनाएँ, जल-संकट, जल-संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता, वर्षा जल संग्रहण एवं उसका पुनः चक्रण, सोन परियोजना : एक अध्ययन **(ग) वन एवं वन्य प्राणी संसाधन :** वन और वन्य जीव संसाधनों के प्रकार और वितरण, वन-सम्पदा तथा वन्य जीवों का ह्रास एवं संरक्षण, समुदाय और वन संरक्षण।	वन्य जीव एवं जैव विविधता की उपयोगिता **(घ) खनिज संसाधन :** खनिजों के प्रकार, खनिजों की विशेषताएँ, खनिजों का वितरण, धात्विक खनिज (लौह) : लौह-अयस्क, मैंगनीज अयस्क।	धात्विक खनिज (अलौह) : बॉक्साइट, ताँबा, अभ्रक, चूना-पत्थर, खनिजों का आर्थिक महत्त्व, खनिजों का संरक्षण। **(ङ) शक्ति (ऊर्जा) संसाधन :** शक्ति संसाधन के प्रकार, पारम्परिक ऊर्जा (शक्ति) स्रोत : कोयला, कोयले का वर्गीकरण, कोयला क्षेत्र, पेट्रोलियम, तेल क्षेत्रों का वितरण, तेल परिष्करण, प्राकृतिक गैस, विद्युत शक्ति, जल विद्युत, वितरण एवं मुख्य जल-विद्युत परियोजनाएँ, ताप शक्ति, परमाणु शक्ति, गैर-पारम्परिक शक्ति के स्रोत : सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय तथा तरंग ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, बायो गैस एवं जैव ऊर्जा, शक्ति संसाधनों का संरक्षण।

सितम्बर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	अभ्युक्ति
इकाई 2 : **कृषि —** भारत में कृषि का महत्त्व, भारत में कृषि भूमि उपयोग, शुष्क भूमि कृषि की विशेषताएँ, कृषि के प्रकार, फसल प्रारूप, मुख्य फसलें – चावल, गेहूँ, मोटे अनाज : ज्वार, बाजरा, रागी, मकई, दालें, गन्ना, तिलहन : मूँगफली, सरसों, अलसी (तीसी), चाय, कॉफी, बागवानी फसलें, अखाद्य फसलें : रबर, रेशेदार फसलें : कपास, जूट, प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधार, कृषि का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और उत्पादन में योगदान, खाद्य-सुरक्षा।	**इकाई 3 :** **निर्माण उद्योग : —** उद्योगों का वर्गीकरण, कृषि आधारित उद्योग – सूती वस्त्र उद्योग, जूट या पटसन उद्योग, ऊनी वस्त्र उद्योग, रेशमी वस्त्र, कृत्रिम वस्त्र, चीनी उद्योग, खनिज आधारित उद्योग – लौह और इस्पात उद्योग, एल्युमिनियम उद्योग, ताँबा प्रगलन उद्योग, रासायनिक उद्योग, उर्वरक उद्योग, सीमेंट उद्योग, तैयार माल आधारित संरचनात्मक एवं उपकरण उद्योग – परिवहन उपकरण उद्योग : रेलवे, मोटर गाड़ी उद्योग, पोत निर्माण उद्योग, वायुयान उद्योग, फुटलुज अर्थात् तकनीकी एवं श्रमिक दक्षता आधारित उद्योग : सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक उद्योग, तैयार वस्त्र एवं पोशाक उद्योग, सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग, खिलौना उद्योग, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान, वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, उद्योगों से उत्पन्न प्रदूषण का प्रभाव, प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय।	**इकाई 4 :** **परिवहन, संचार एवं व्यापार —** परिवहन के प्रकार, सड़क मार्ग, भारत में सड़कों का विकास, प्रादेशिक वितरण, सड़कों के प्रकार, रेलमार्ग, भारतीय रेलवे, पाइपलाइन मार्ग, भारत में पाइपलाइन, पाइपलाइन का वितरण, वायुमार्ग, भारत में वायु परिवहन, जलमार्ग, राष्ट्रीय जलमार्ग, बंदरगाह, संचार : भारत में संचार सुविधा, विभिन्न डाक चैनल, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, भारत का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार।	पुनरावृत्ति	

पुस्तकों के नाम	अप्रैल	मई एवं जून	जुलाई	अगस्त
इकाई 5 : बिहार : कृषि एवं वन संसाधन	—	कृषि एवं वन संसाधन — मदई, अगहनी, रबी, गरमा फसल, खाद्यान्न फसलें : गेहूँ, मक्का, मोटे अनाज, तेलहन, दलहन, व्यावसायिक फसलें : गन्ना, जूट, तम्बाकू, सब्जियाँ, फल एवं मसाले : मिर्च, कृषि की समस्याएँ, कृषि कैलेंडर, जल संसाधन : नहर, नलकूप, कुआँ, तालाब, अन्य साधन ।	नदी घाटी परियोजनाएँ, वन संसाधन, वनों एवं वन्य जीवों का संरक्षण, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन : धात्विक खनिज, अधात्विक खनिज ।	शक्ति के साधन, परम्परागत ऊर्जा के स्रोत, जल विद्युत, गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोत, बिहार : उद्योग एवं परिवहन, कृषि पर आधारित उद्योग, गैर कृषि आधारित उद्योग, खनिज आधारित उद्योग ।
इकाई 6 : मानचित्र अध्ययन	—	—	—	—
आपदा प्रबंधन भारत : संसाधन एवं उपयोग खण्ड (ख) BTC	इकाई 1 : प्राकृतिक आपदा : एक परिचय — विषय प्रवेश, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन ।	इकाई 2 : प्राकृतिक आपदा एवं प्रबंधन : बाढ़ और सुखाड़ — बांग्लादेश : बाढ़ का देश, बाढ़ प्रबंधन : बाँध और तटबंध का निर्माण, वैकल्पिक प्रबंधन, पूर्व सूचना का प्रबंधन, सुखाड़ तथा इसका प्रबंधन, भारत में सुखाड़ का क्षेत्र, सुखाड़ प्रबंधन, भूमिगत जल क्या है, वर्षा जल संग्रहण ।	इकाई 3 : प्राकृतिक आपदा एवं प्रबंधन : भूकंप एवं सुनामी — विषय प्रवेश, भारत में भूकंप के क्षेत्र, भूकंपीय तरंग, भूकंप से बचाव के उपाय, सुनामी से बचाव के उपाय, तटबंध निर्माण तथा मैंग्रोव झाड़ी का विकास, तटीय प्रदेश के लोगों को प्रशिक्षण ।	इकाई 4 : जीवन रक्षक आकस्मिक प्रबंधन — बाढ़ की स्थिति में आकस्मिक प्रबंधन, भूकंप एवं सुनामी की स्थिति में आकस्मिक प्रबंधन, आग लगने की स्थिति में, राहतकर्मियों के लिए प्राथमिक उपकरण और उपचार, आकस्मिक प्रबंधन के घटक ।

सितम्बर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	अभ्युक्ति
वन्य पदार्थों पर आधारित उद्योग, अन्य प्रमुख उद्योग, परिवहन, सड़क मार्ग, रेल मार्ग, जल मार्ग, वायु मार्ग, रज्जू मार्ग ।	बिहार : जनसंख्या एवं नगरीकरण — विषय प्रवेश, जनसंख्या वितरण, जनसंख्या घनत्व, नगरों का विकास	पुनरावृत्ति	पुनरावृत्ति	
—	—	उच्चावच निरूपण : उच्चावच प्रदर्शन की विधियाँ, समोच्च रेखाओं पर विभिन्न भू-आकृतियों का प्रदर्शन ।	पुनरावृत्ति	
इकाई 5 : आपदा काल में वैकल्पिक संचार व्यवस्था — विषय प्रवेश, वैकल्पिक संचार साधन : रेडियो संचार, एमेच्योर अथवा हेम रेडियो, उपग्रह संचार ।	इकाई 6 : आपदा और सह-अस्तित्व — भूकंप, भूस्खलन, सुनामी, बाढ़, सुखाड़, जल विभाजक क्षेत्र, शुष्क कृषि पद्धति, आपदा मानचित्र, गैर-सरकारी एवं अर्द्धसरकारी संगठन ।	—	पुनरावृत्ति	

पुस्तकों के नाम	अप्रैल	मई एवं जून	जुलाई	अगस्त
(3) राजनीति विज्ञान लोकतांत्रिक राजनीति भाग - 2 BTC	अध्याय 1: लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी — लोकतंत्र में द्वन्द्ववाद, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सामाजिक विभाजन के स्वरूप, सामाजिक भेदभाव एवं विविधता को उत्पत्ति, सामाजिक विभिन्नता और सामाजिक विभाजन में अंतर, जाति का राजनीति पर प्रभाव, सामाजिक विभाजन के तीन निर्धारक तत्त्व, सामाजिक विभाजन में जाति, धर्म और लिंग विभेद के स्वरूप, जातिगत असमानताएँ, वर्ण-व्यवस्था।	राजनीति में जाति, चुनाव को जातीयता में ह्रास की प्रवृत्ति, जाति के अन्दर राजनीति अर्थात् जाति को राजनीति भी प्रभावित करते हैं, धर्म, सांप्रदायिकता एवं राजनीति, सांप्रदायिकता, सांप्रदायिकता को परिभाषा, राजनीति में सांप्रदायिकता के स्वरूप, धर्मनिरपेक्ष शासन की अवधारणा, लैंगिक मसले और राजनीति, महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व।	अध्याय 2: सत्ता में साझेदारी की कार्य प्रणाली — परिचय, संघीय व्यवस्था का गठन, भारत में संघवाद का विकास, भारत में संघीय शासन व्यवस्था, संघीय व्यवस्था का कार्यान्वयन, भाषा नीति।	केन्द्र-राज्य संबंध, भारत में विकेन्द्रीकरण, बिहार में पंचायती राज व्यवस्था की एक झलक, बिहार में पंचायती राज का स्वरूप त्रिस्तरीय — (क) ग्राम पंचायत, (ख) पंचायत समिति, (ग) जिला परिषद् बिहार में नगरीय शासन-व्यवस्था — 1. नगर पंचायत 2. नगर परिषद् 3. नगर निगम।

सितम्बर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	अभ्युक्ति
अध्याय 3: लोकतंत्र में प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष — प्रतिस्पर्धा एवं जनसंघर्ष का अर्थ, लोकतंत्र में जनसंघर्ष की भूमिका, बिहार का छात्र आंदोलन, चिपको आंदोलन, दलित पैंथर्स, भारतीय किसान यूनियन, ताड़ी-विरोधी आन्दोलन, नर्मदा बचाओ आन्दोलन, सूचना के अधिकार का आन्दोलन, पड़ोसी देशों में जनसंघर्ष एवं आन्दोलन — नेपाल में लोकतांत्रिक आन्दोलन, बोलिविया में जनसंघर्ष, बांग्लादेश में लोकतंत्र के लिए संघर्ष, श्रीलंका में लोकतंत्र के लिए संघर्ष, राजनीतिक दल का अर्थ।	राजनीतिक दलों के कार्य, लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की आवश्यकता क्यों ?, राजनीतिक दलों के बीच प्रतियोगिता एवं लोकमत के सशक्तिकरण पर इनके प्रभाव, राजनीतिक दलों का राष्ट्रीय विकास में योगदान, राजनीतिक दलों के लिए प्रमुख चुनौतियाँ, राजनीतिक दलों को प्रभावशाली बनाने के उपाय, भारत के प्रमुख राजनीतिक दलों का परिचय।	अध्याय 4: लोकतंत्र की उपलब्धियाँ — परिचय, क्या लोकतंत्र अपने उद्देश्यों की प्राप्ति कर रहा है ?, उत्तरदायी एवं वैध शासन, आर्थिक समृद्धि और विकास, सामाजिक विषमता और सामंजस्य, भारतीय लोकतंत्र कितना सफल है ?, भारतीय लोकतंत्र के सफलता के कारण तत्त्व। अध्याय 5: लोकतंत्र की चुनौतियाँ — भूमिका, अलग-अलग तरह की चुनौतियाँ, राजनीतिक सुधारों पर विचार।	पुनरावृत्ति	

पुस्तकों के नाम	अप्रैल	मई एवं जून	जुलाई	अगस्त
(4) अर्थशास्त्र हमारी अर्थव्यवस्था भाग - 2 BTC	इकाई 1 : **अर्थव्यवस्था एवं इसके विकास का इतिहास —** अर्थव्यवस्था का परिचय, अर्थव्यवस्था का अर्थ, अर्थव्यवस्था की संरचना या ढाँचा, भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना, अर्थव्यवस्था के प्रकार, अर्थव्यवस्था का विकास, सतत् विकास, आर्थिक विकास की माप एवं सूचकांक, बिहार के विकास की स्थिति, बिहार के पिछड़ेपन के कारण, बिहार के पिछड़ेपन को दूर करने के उपाय, देश के आर्थिक विकास में बिहार के विकास की भूमिका, मूलभूत आवश्यकताएँ एवं विकास का संबंध।	इकाई 2 : **राज्य एवं राष्ट्र की आय —** आय, बिहार की आय, राष्ट्रीय आय, भारत का राष्ट्रीय आय – ऐतिहासिक परिवेश, प्रति-व्यक्ति आय, राष्ट्रीय आय की गणना, राष्ट्रीय आय की गणना में कठिनाइयाँ, विकास में राष्ट्रीय एवं प्रति-व्यक्ति आय का योगदान।	इकाई 3 : **मुद्रा, बचत एवं साख —** मुद्रा का इतिहास, वस्तु विनिमय प्रणाली, मौद्रिक विनिमय प्रणाली, मुद्रा के कार्य, मुद्रा है क्या ?, मुद्रा का विकास, प्लास्टिक मुद्रा, मुद्रा का आर्थिक महत्त्व, मुद्रा से लाभ, बचत क्या है ? साख क्या है ? साख का आधार, साख पत्र।	इकाई 4 : **हमारी वित्तीय संस्थाएँ —** वित्तीय संस्थाएँ, वित्तीय संस्थाओं के प्रकार, राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ, भारतीय पूँजी बाजार, राज्य स्तरीय वित्तीय संस्थाएँ (बिहार के संदर्भ में), गैर-संस्थागत वित्तीय संस्थाएँ, संस्थागत वित्तीय स्रोत, व्यावसायिक बैंक का कार्य, व्यावसायिक बैंक प्रायः चार प्रकार से जमा राशि स्वीकार करते हैं, ऋण प्रदान करना, सामान्य उपयोगिता संबंधी कार्य, एजेंसी संबंधी कार्य, सहकारिता और राज्य के विकास में भूमिका, भारत में सहकारिता का विकास, राज्य के विकास में भूमिका, स्वयं-सहायता-समूह, गाँव, कस्बा और जिला के विकास में इसकी भूमिका, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भूमिका।

सितम्बर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	अभ्युक्ति
इकाई 5 : **रोजगार एवं सेवाएँ —** रोजगार एवं सेवाएँ, आर्थिक विकास का क्षेत्र, सेवा क्षेत्र की भूमिका, सेवा क्षेत्र का भाग, सेवा क्षेत्र का महत्त्व, रोजगार सृजन के रूप में सेवाओं की भूमिका, भारत – विश्व को सेवा प्रदाता के रूप में, सेवा क्षेत्र की बुनियादी सुविधाएँ, आर्थिक आधारभूत संरचनाएँ, गैर-आर्थिक आधारभूत संरचनाएँ, सेवा क्षेत्र में शिक्षा की भूमिका, आधुनिक मंदी का सेवा क्षेत्र पर प्रभाव।	इकाई 6 : **वैश्वीकरण —** भूमिका, वैश्वीकरण क्या है ? वैश्वीकरण के अंग, वैश्वीकरण की • प्रक्रिया में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका, बहुराष्ट्रीय कंपनी की कार्य-प्रणाली, बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा विश्व-भर में उत्पादन को एक-दूसरे से जोड़ना, वैश्वीकरण एवं बाजारों का एकीकरण, वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले कारक, विश्व व्यापार संगठन, भारत में वैश्वीकरण क्यों ? वैश्वीकरण – ऐतिहासिक परिवेश में (1991 के पूर्व का वैश्वीकरण), बिहार में वैश्वीकरण का प्रभाव, सकारात्मक प्रभाव, नकारात्मक प्रभाव, सन् 1991 का आर्थिक सुधार, आर्थिक सुधारों का अर्थ, आर्थिक सुधारों अथवा नई आर्थिक नीति के उद्देश्य, आर्थिक सुधारों या नई आर्थिक नीति की मुख्य विशेषताएँ, वैश्वीकरण एवं आम आदमी।	इकाई 7 : **उपभोक्ता जागरण एवं संरक्षण —** भूमिका, उपभोक्ता जागरण, उपभोक्ता शोषण, उपभोक्ता संरक्षण एवं सरकार, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986, उपभोक्ता संरक्षण हेतु सरकार द्वारा गठित न्यायिक प्रणाली, 'उपभोक्ता शिकायत', क्या, कहाँ, कैसे ? आर्थिक शोषण एवं उसका निराकरण – मानवाधिकार आयोग, सूचना आयोग।	पुनरावृत्ति	